# चीन द्वारा वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास भारत-अमेरिका सैन्य अभ्यास का विरोध

## प्रिलिम्स के लिये:

भारत-चीन संबंध, भारत-चीन सीमा समझौते, एलएसी, एलओसी, युद्ध अभ्यास।

## मेन्स के लिये:

भारत-चीन संबंधों से जुड़े मुद्दे और आगे की राह।

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में **चीन** ने विवादित चीन-भारत सीमा के पास **भारत और अमेरिका के मध्य होने वाले सैन्य अभ्यास** का विरोध करते हुए कहा कि यह **द्विपक्षीय सीमा विवाद में बाह्य हस्तक्षेप** है।

- हालाँकि इस अभ्यास की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, अनुमान है कि दोनों देश अक्तूबर 2022 में उत्तराखंड के औली में वास्तविक नियंत्रण रेखा (Line of Actual Control-LAC) से **लगभग 100 किलोमीटर** दूर "युद्ध अभ्यास" के 18वें संस्करण में भाग लेंगे।

## चीन द्वारा विरोध का कारण:

- चीन का मानना है कि दोनों देश इस बात पर सहमत हुए थे कि दोनों देशों के मध्य **वास्तविक सीमा के पास कोई सैन्य अभ्यास आयोजित नहीं** किया जाएगा।
- चीन ने वर्ष 1993 और वर्ष 1996 में भारत एवं चीन द्वारा हस्ताक्षरित दो समझौतों का हवाला देते हुए कहा कि यह अभ्यास इन दोनों समझौतों का उल्लंघन करता है।
    - **वर्ष 1993 में भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर** शांति और स्थिरता बनाए रखने पर समझौता।
    - **वर्ष 1996 में भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में वास्तविक नियंत्रण रेखा** के साथ सैन्य क्षेत्र में विश्वास-निर्माण उपायों पर समझौता।
- **वर्ष 1993 और 1996** दोनों समझौतों का एक प्रमुख तत्त्व यह है कि दोनों पक्ष LAC के साथ-साथ क्षेत्रों में अपनी सेना को न्यूनतम स्तर तक रखेंगे। हालाँकि समझौते यह परिभाषित नहीं करते हैं कि न्यूनतम स्तर में क्या होगा।
    - वर्ष 1993 और 1996 के समझौतों में यह भी अनिवार्य है कि **सीमा संबंधी प्रश्न का अंतिम समाधान लंबित होने तक दोनों पक्ष LAC** का सख्ती से पालन करेंगे।
- वर्ष1993, 1996 और 2005 के समझौतों के अनुसार **LAC पर आग्नेयास्त्रों के उपयोग को सख्ती से नियंत्रित** किया जाता है।

## दोनों देशों के मध्य विवाद का मुद्दा:

- इस संदर्भ में प्रमुख, **पश्चिमी क्षेत्र में व्याप्त असहमति** हैं।
- वर्ष 1962 के युद्ध के बाद चीन ने दावा किया कि वे **नवंबर 1959 में LAC से 20 किलोमीटर पीछे** हट गए थे।
- पूर्वी क्षेत्र में सीमा मुख्य रूप से तथाकथित **मैकमोहन रेखा** के साथ मिलती है और पश्चिमी एवं मध्य क्षेत्रों में यह **पारंपरिक प्रथागत रेखा के साथ मुख्य रूप से मेल खाती** है जिसे लगातार चीन द्वारा इंगित किया गया है।
- **वर्ष 2017 में डोकलाम संकट के दौरान चीन ने भारत से "1959 LAC"** का पालन करने का आग्रह किया।
- भारत ने **वर्ष 1959 और 1962 दोनों में LAC की अवधारणा को खारिज** कर दिया था।
- भारत की आपत्ति यह थी कि **चीनी रेखा, मानचित्र पर बिंदुओं की शृंखला से जुड़ी हुई** थी जिसे कई तरह से जोड़ा जा सकता था, वर्ष 1962 में आक्रमण से किसी को हानि न हो इसलिये यह **रेखा चीनी हमले से पूर्व 8 सितंबर, 1962 को वास्तविक स्थिति पर आधारित** होनी चाहिये। चीन के नियंत्रण रेखा की परिभाषा की अस्पष्टता के कारण चीन के सैन्य बलों द्वारा तथ्यों को बदलने की आशंका विद्यमान है।

## भारत और चीन के बीच हाल के मुद्दे और विकास:

- **मुद्दे:**
    - **मई 2020**: नाथू ला, सिक्किम (भारत) में चीनी और भारतीय बलों के बीच झड़प हुई।
    - **जून 2020:** पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग त्सो, गलवान घाटी, डेमचोक और दौलत बेग ओल्डी में भारत एवं चीन की सेनाओं के बीच गतिरोध जारी रहा।
    - **जून 2020:** भारत ने 59 चीन एप्स पर प्रतिबंध लगा दिया।
    - **नवंबर 2020:** भारत ने 43 नए मोबाइल एप को ब्लॉक किया, जिनमें ज़्यादातर चीनी हैं।
        - यह प्रतिबंध सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 69A के तहत लागू किया गया है।
- **विकास:**
    - **फरवरी 2021:** भारत और चीन ने आखिरकार पैंगोंग झील पर एक समझौते पर पहुँचने का फैसला किया।
    - **सितंबर 2022:** हाल ही में भारतीय और चीनी सेनाओं ने पूर्वी लद्दाख के गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र में पेट्रोलिंग पॉइंट-15 से हटना शुरू कर दिया है, जो मई 2020 से चल रहे गतिरोध को समाप्त करने के लिये महत्त्वपूर्ण कदम है।

## वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC):

- **परिचय:** वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) एक प्रकार की सीमांकन रेखा है, जो**भारत-नियंत्रित क्षेत्र और चीन-नियंत्रित क्षेत्र को एक-दूसरे से अलग** करती है।
- **LAC की लंबाई:** भारत LAC की लंबाई 3,488 किमी मानता है; जबकि चीन इसे केवल 2,000 किमी के आसपास मानता है।
- **LAC का विभाजन:**
    - **इसे तीन क्षेत्रों में विभाजित किया गया है:**
    - पूर्वी क्षेत्र अरुणाचल प्रदेश से सिक्किम (1346 किमी),
        - मध्य क्षेत्र उत्तराखंड से हिमाचल प्रदेश (545 किमी),
        - पश्चिमी क्षेत्र लद्दाख (1597 किमी) तक फैला है।
    - पूर्वी सेक्टर में LAC का संरेखण वर्ष 1914 की मैकमोहन रेखा के समरूप है।
    - यह वर्ष 1914 में भारत की तत्कालीन ब्रिटिश सरकार और तिब्बत के बीच शिमला समझौते के तहत अस्तित्व में आई थी।
    - LAC का मध्य क्षेत्र सबसे कम विवादित, जबकि पश्चिमी क्षेत्र दोनों पक्षों के मध्य सबसे अधिक विवादित है।

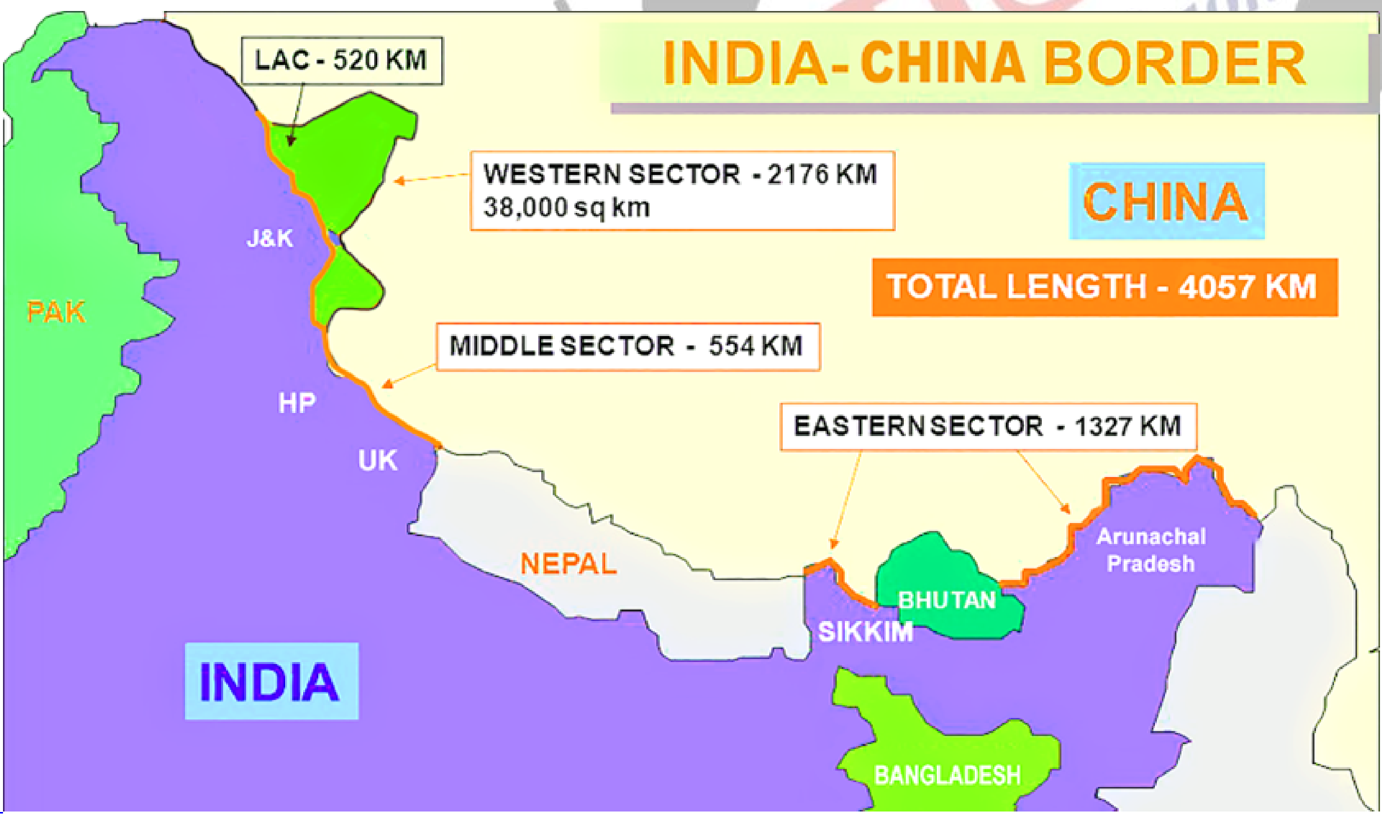

//

- **LAC, पाकिस्तान के साथ लगी नियंत्रण रेखा (LoC) से भिन्न है:**
    - कश्मीर युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1948 की संघर्ष विराम रेखा (Ceasefire Line) के संदर्भ में बातचीत के बाद नियंत्रण रेखा का उदय हुआ।
    - दोनों देशों के बीच **शिमला समझौते के बाद वर्ष 1972 में LoC को नामित कर इसे मानचित्र पर दर्शाया गया है।**
    - **यह दोनों सेनाओं के सैन्य संचालन महानिदेशक (DGMOs) द्वारा हस्ताक्षरित मानचित्र पर चित्रित है और इसमें कानूनी समझौते की अंतर्राष्ट्रीय विश्वसनीयता है।**

- लेकिन LAC पर दोनों देशों (भारत-चीन) द्वारा सहमति नहीं बन पाई है, न ही इसे मानचित्र पर दर्शाया गया है और न ही इसे भौगोलिक रूप से सीमांकित किया गया है।

## आगे की राह

- दो बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के रूप में चीन और भारत को एक-दूसरे के साथ-साथ विकास को आगे बढ़ाने, **बाधा के बजाय साझेदारी के साथ आगे बढ़ने एवं एक-दूसरे के खिलाफ दीवारें खड़ी करने के बजाय साझा प्रगति** के लिये मिलकर काम करने की ज़रूरत है।
- भारत और चीन को आपसी विश्वास बनाने एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में **शांति तथा शांति का एहसास करने के लिये सीमा वार्ता को आगे बढ़ाने की भी आवश्यकता है।**

## स्रोत: हिंदुस्तान टाइम्स

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/china-objects-indo-us-military-drill-near-lac